O. P. JINDAL SCHOOL, SAVITRI NAGAR

Half Yearly Examination (2018 – 2019)

Class: VII 27/9/18 **MM: 80**

Subject: Hindi **Time: 3 Hrs.**

Name: _____ Class / Section: _____ Roll No.:_____

Fifteen Minutes Extra will be for reading the Question Paper.

सामान्य निर्देश :–

(1) इस प्रश्न पत्र में चार खण्ड हैं– 'क' , 'ख', 'ग' और 'घ' ।
(2) चारों खण्ड अनिवार्य हैं।
(3) प्रश्नों के सभी उपभागों के उत्तर क्रमशः एक साथ लिखिए।
(4) उत्तर–पुस्तिका में उत्तर के साथ वही क्रम संख्या लिखिए जो प्रश्न–पत्र में दी गई है।
(5) निर्धारित समय–सीमा 3.00 +15 घंटे हैं।

(खण्ड–क)

प्र0 1 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– (1+1+2+2+2)

मनुष्य अपने संकल्पों का बना हुआ है। जैसा वह संकल्प करता है, वैसा ही वह वह होता है। एकलव्य ने संकल्प किया अद्‌वितीय धनुर्धर बनने का। उसने कहा, "यदि मेरी जिज्ञासा सच्ची होगी तो मुझे कोई भी रोक नहीं पाएगा। इतना ही नहीं, द्रोणाचार्य ही मेरे गुरु होंगे।" और हुआ भी वही। स्वयं गुरु द्रोणाचार्य को उसकी कुटिया तक आना पड़ा, उसकी धनुर्विद्‌या हेतु सर्वोत्कृष्टता का प्रमाण–पत्र देने के लिए। दृढ़–संकल्प वाले किस प्रकार कार्य करते हैं यह प्रह्‌लाद के जीवन से जाना जा सकता है। ध्रुव बालक सही, पर वह आदियुग की निष्ठा और विश्वास का प्रतीक था। उसने अपने संकल्प के बल पर अविचल पद प्राप्त कर लिया। भक्तिमती शबरी भी संकल्पनिष्ठा का अप्रतिम उदाहरण है।

क) उपर्युक्त गद्‌यांश का उचित शीर्षक क्या हो सकता है ?
ख) एकलव्य ने किसे अपना गुरु माना ?
ग) अपने किस गुण के कारण एकलव्य धनुर्धर बन गया ?
घ) द्रोणचार्य ने एकलव्य की धनुर्विद्‌या को किस कोटि का बताया ?
ङ) मनुष्य अपने भावी जीवन में कैसा बन जाता है ?

प्र0 2 निम्नलिखित पद्‌यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– (1+1+1+2+2)

कर्मों में अधिकार तेरा, मत चिंता कर क्या फल मिलना है,
फल जैसा भी हो, तुझको तो निरंतर कर्म ही करना है।
फल पाने की इच्छा से जो किया कर्म तो वह खोटा है,
कर्म योग का शरणागत हो, फल का इच्छुक तो रोता है।
सम बुद्धि युक्त जो किया कर्म, पर नहीं फलों की अभिलाषा है,
पूर्ण कुशलता से करना हर कर्मयोग की परिभाषा है

क) इस काव्यांश के लिए उचित शीर्षक दीजिए।
ख) कैसा कर्म व्यर्थ बताया गया है ?
ग) कवि ने क्या करने को कहा है ?

घ) प्रस्तुत काव्यांश में कवि ने क्या संदेश दिया है ?

ङ) 'कर्मयोग' की परिभाषा क्या है ?

(खण्ड–ख)

प्र0 3 नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए– **(1X4=4)**

क) विश्व हिंदी दिवस कब मनाया जाता है ?

ख) राजभाषा किसे कहते हैं ?

ग) वर्ण–विच्छेद किसे कहते हैं ?

घ) 'दुसाशन' शब्द का शुद्ध रूप लिखिए

प्र0 4 नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए– **(1X4=4)**

क) 'एकैक' शब्द का संधि–विच्छेद कर भेद लिखिए।

ख) 'अत्यधिक' शब्द किस संधि का उदाहरण है ?

ग) 'आँख' और 'दूध' शब्द के तत्सम रूप लिखिए।

घ) देशज शब्द के दो उदाहरण लिखिए।

प्र0 5 नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए– **(1X4=4)**

क) 'घोड़ा' शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए।

ख) 'आकर्षक' का विलोम शब्द लिखिए।

ग) 'आयात' और 'आयत' श्रुतिसमभिन्नार्थक के अर्थ लिखिए।

घ) 'युवा' जातिवाचक संज्ञा से भाववाचक संज्ञा बनाइए।

प्र0 6 नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए– **(1X4=4)**

क) 'अक्ष' शब्द के दो अनेकार्थक शब्द लिखिए।

ख) 'अभि' उपसर्ग लगाकर दो शब्द बनाइए।

ग) 'पढ़ाकू' शब्द में कौन–सा प्रत्यय लगा है ?

घ) 'बेख़बर' किस समास का उदाहरण है ?

(खण्ड–ग)

प्र0 7 नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए– **(1+2+2)**

विजय बाबू भीतर–बाहर दोनों रूपों में मुसकरा दिए। मन–ही–मन कहने लगे– कैसा है ! देता तो सबको इसी भाव से है, पर मुझ पर उलटा एहसान लाद रहा है। फिर बोले– "तुम लोगों की झूठ बोलने की आदत होती है। देते होगे सभी को दो–दो पैसे में, पर एहसान का बोझा मेरे ही ऊपर लाद रहे हो।"

क) कहानी और कहानीकार का नाम लिखिए।

ख) विजय बाबू क्यों मुसकरा उठे ?

ग) विजय बाबू ने मुरली वाले से क्या कहा ?

प्र0 8 नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– **(2X5=10)**

क) 'कुनैन मिक्सचर' से आप क्या समझते हैं ?

ख) नदियों की धाराओं में डुबकियाँ लगाना लेखक को कैसा लगता था ?

ग) रक्तकणों का निर्माण कहाँ और कैसे होता है ?

घ) ब्लड–बैंकों के क्या लाभ होते हैं ?

ङ) माधवदास चिड़िया की बच्ची को बगीचे से क्यों नहीं जाने देना चाहते थे ?

प्र0 9 **नीचे दिए गए पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए–** (1+2+2)

कठपुतली
गुस्से से उबली
बोली– ये धागे
क्यों हैं मेरे पीछे–आगे ?
इन्हें तोड़ दो;
मुझे मेरे पाँवों पर छोड़ दो।
सुनकर बोलीं और–और
कठपुतलियाँ
कि हाँ,
बहुत दिन हुए
हमें अपने मन के छंद छुए।

क) कवि और कविता का नाम लिखिए।

ख) कठपुतली गुस्से से क्यों उबल पड़ी ?

ग) 'अपने मन के छंद छूना'– से क्या आशय है ?

प्र0 10 **नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–** (2X5=10)

क) 'हम पंछी उन्मुक्त गगन के' पाठ के आधार पर बताइए कि पक्षी सपने में क्या देखते हैं ?

ख) पिंजरे में बंद रहकर पक्षी क्यों नहीं गा पाएँगे ?

ग) 'नीड़ न दो चाहे टहनी का, आश्रय छिन्न–भिन्न कर डालो' से कवि का क्या आशय है ?

घ) आशय स्पष्ट कीजिए– 'आकाश का साफ़ा बाँधकर, सूरज की चिलम खींचता बैठा है पहाड़।'

ङ) कवि ने जाड़े की शाम के प्राकृतिक दृश्य का वर्णन किस रूप में किया है ?

प्र0 11 **नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–** (2X2=4)

क) यक्ष प्रश्न से प्राप्त किन्हीं दो शिक्षाओं का उल्लेख कीजिए।

ख) अर्जुन कौन थे, वे क्यों प्रसिद्ध थे ?

(खण्ड–घ)

प्र0 12 **दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र लिखिए–** 5

आपके चाचा जी ने नया घर लिया है, बधाई देते हुए पत्र लिखिए।

अथवा

प्रातःकालीन सैर का महत्त्व बताते हुए अपनी छोटी बहन को एक पत्र लिखिए।

प्र0 13 **किसी विषय पर संकेत बिंदुओं के आधार पर सारगर्भित निबंध लिखिए–** 10

क) **मेरा प्रिय लेखक** भूमिका एवं जीवन परिचय, व्यक्तित्व की विशेषताएँ, उनका साहित्य एवं उसमें प्रयुक्त भाषा, उपसंहार।

ख) **परोपकार** परोपकार से अभिप्राय, परोपकार सबसे बड़ा मानवीय गुण, परोपकार के कुछ उदाहरण, परोपकार की भावना का विकास, उपसंहार।

ग) **विज्ञान के बढ़ते चरण** विज्ञान क्या है , प्रकृति पर नियंत्रण, चिकित्सा के क्षेत्र में, संचार के क्षेत्र में, विज्ञान का हमारे जीवन पर अच्छा–बुरा प्रभाव, विज्ञान का विवेकशील उपयोग आवश्यक, उपसंहार।

–––00–––

2/7/19